# कृषी-शास्त्र

हर जोते अरु हरि भजे; यथा शक्ति कुछ देय।
वा नर को हरि ना मिलै; मुजरा हम से लेय॥

लेखक व प्रकाशकः—

पंडित तेजशंकर कोचक
बी० ए० एस० सी०, पी० ए० एस०;
गत लेक्चरार कृषी-महाविद्यालय कानपुर; गत ओ० एग्री०
केमिस्ट गवर्नमेंन्ट संयुक्त प्रान्त;
वर्तमान प्रिंसीपल गवर्नमेंन्ट कृषी विद्यालय
बुलन्दशहर।

REVISED AND ENLARGED



THIRD EDITION
1000 *Copies*

*1924*

Rs. 2/
मूल्य २) रुपया

Printer—B. Badri Prashad Gupta, Badri Printing Works,
Bulandshahr.

21